सुख-समृद्धि के लिए महाष्टमी पर करेंगे नगर पूजा

- अखाड़ा परिषद अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी महाराज आज पहुंचेंगे उज्जैन

उज्जैन। नगरवासियों की सुख-समृद्धि की कामना को लेकर चैत्र माह की नवरात्रि के अंतिम दिन महाअष्टमी पर श्री पंचायती अखाड़ा निरंजनी द्वारा प्रतिवर्ष अनुसार आयोजित होने वाली नगर पूजा का निर्वहन किया जाएगा। गुरुवार को 24 खंभा स्थित माता महामाया और महालाया माता को मदिरा का भोग लगाया जाएगा।

भव्य नगर पूजा में शामिल होने के लिए मां मनसा देवी ट्रस्ट हरिद्वार के अध्यक्ष, श्री पंचायती निरंजनी अखाड़ा के सचिव और अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी महाराज आज उज्जैन आएंगे। उनके साथ अन्य संत-महंत और महामंडलेश्वर भी शामिल होंगे।

कन्या पूजन और विशाल भंडारे का होगा आयोजन

अखाड़ा परिषद के प्रवक्ता डॉ. गोविंद सोलंकी ने बताया कि यात्रा के पश्चात बड़नगर रोड स्थित श्री पंचायती अखाड़ा निरंजनी में भव्य कन्या पूजन के साथ भक्तों का भंडारा आयोजित किया जाएगा। इसमें सभी अखाड़ों के संत-महंतों के साथ जनप्रतिनिधि और अधिकारी गण शामिल होंगे। नगर पूजा के लिए श्री पंचायती निरंजनी अखाड़े से जुड़े कई महामंडलेश्वर और पदाधिकारी हरिद्वार सहित अन्य स्थानों से उज्जैन पहुंच रहे हैं। उज्जैन के वसूली पटेल तोलाराम अंजना भी नगर पूजा की तैयारियों में पूरे मनोयोग से जुटे हुए हैं।

प्राचीन समय से जारी परंपरा: अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के प्रबंधक द्वय डॉ. राहुल कटारिया और डॉ. गोविंद सोलंकी ने बताया कि प्राचीन समय से नगर पूजा होती आ रही है। कोरोना महामारी के दौरान भी अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रविंद्र पुरी महाराज ने हरिद्वार से आकर इस परंपरा का निर्वहन किया था। इसी क्रम में गुरुवार सुबह 8 बजे 24 खंभा माता मंदिर से नगर पूजा प्रारंभ होगी।

28 किलोमीटर मार्ग पर चलेगी मदिरा की धारा: यात्रा में 28 किलोमीटर लंबे मार्ग में कोटवार एक हांडी में मदिरा की धारा लेकर चलते हैं। रास्ते में आने वाले प्रमुख देवी और भैरव मंदिरों में नए ध्वज और चोला चढ़ाया जाता है। वहीं कुछ देवी मंदिरों में वहां माता रानी को पूजन सामग्री के साथ मदिरा का भोग लगाने की भी परंपरा है। पूरी यात्रा में बैंड-बाजों के साथ भक्तगण माता के जयकारे लगाते हुए चलते हैं। रात 8 बजे अंकपात मार्ग स्थित हांडी फोड़ भैरव पर यात्रा का समापन होगा।

अभिभाषक संघ महिदपुर ने सौंपा ज्ञापन

महिदपुर। अभिभाषक संघ उपाध्यक्ष पल्लव मुखिया की अध्यक्षता में अधिवक्ता संघ करेरा, शिवपुरी के अधिवक्ता संजय कुमार सक्सेना की 14 फरवरी को अपराधियों द्वारा कोर्ट जाते समय गोली मारकर हत्या कर दी गई।

इस संबंध में मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद जबलपुर के आव्हान पर उक्त घटना के विरोध स्वरुप एवं एडव्होकेट प्रोटेक्शन एक्ट की मांग को लेकर अधिवक्ता संघ महिदपुर के समस्त सदस्यगण न्यायालयीन कार्य से विरत रहे तथा एडव्होकेट प्रोटेक्शन एक्ट की मांग के संबंध में मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश को संबोधित करते हुए कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व महिदपुर को ज्ञापन का वाचन कर सौंपा गया। इस अवसर पर अभिभाषक संघ महिदपुर के सचिव शंकरसिंह तोमर और कार्यकारिणी सदस्यगण व समस्त वरिष्ठ एवं कनिष्ठ अभिभाषक उपस्थित रहे। जानकारी अभिभाषक संघ मीडिया प्रभारी मुर्तज़ा बोहरा ने दी।

एक नजर में

अभिभाषक संघ महिदपुर ने ईद मिलन समारोह का किया आयोजन

महिदपुर। अभिभाषक संघ अध्यक्ष संजय निर्वाणी की अध्यक्षता में अभिभाषक संघ महिदपुर के सभागार में सनातन नव वर्ष एवं ईद उल फितर मिलन समारोह का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर अभिभाषक संघ महिदपुर के समस्त कार्यकारिणी सदस्यगण व समस्त वरिष्ठ एवं कनिष्ठ अभिभाषकगण उपस्थित रहे। इस अवसर पर समस्त वरिष्ठ अभिभाषकगण द्वारा नव वर्ष की बधाई के साथ ईद की मुबारक बाद दी एवं बधाई संदेश दिये। कार्यक्रम का संचालन सांस्कृतिक सचिव क्षितिज उपाध्याय द्वारा किया गया। जानकारी अभिभाषक संघ मीडिया प्रभारी मुर्तज़ा बोहरा ने दी।

फुले दंपती के नाम से घोषित राज्य पुरस्कार दोबारा शुरू करने की मांग

उज्जैन। भाजपा के वरिष्ठ नेता और अखिल भारतीय माली समाज विकास परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेंद्र सांखला ने मांग की है कि मध्य प्रदेश सरकार द्वारा पिछड़ा वर्ग के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले समाजसेवियों को दिए जाने वाले महात्मा ज्योतिबा फुले तथा सावित्रीबाई फुले पिछड़ा वर्ग राज्य सेवा पुरस्कार पुन: प्रारंभ किए जाएं। उन्होंने कहा कि पिछले 6 वर्षों से प्रदेश में ये पुरस्कार नहीं दिए गए हैं, अत: इन्हें फिर से देने के लिए समाजसेवियों का चयन किया जाना चाहिए। सुरेंद्र सांखला ने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार के पूर्व के निर्णयों से केवल माली समाज ही नहीं, बल्कि संपूर्ण पिछड़ा वर्ग गर्व महसूस करता है। सरकार ने सामाजिक क्रांति के अग्रदूत महात्मा ज्योतिबा फुले एवं शिक्षा की देवी सावित्रीबाई फुले के नाम पर प्रदेश में अनेक प्रतिष्ठानों की घोषणा की है, लेकिन अब उनके नाम से घोषित राज्य पुरस्कारों को भी अविलंब पुन: शुरू किया जाना चाहिए। भाजपा नेता ने बताया कि एक अन्य राज्य पुरस्कार रामजी महाजन पिछड़ा वर्ग राज्य सेवा पुरस्कार जो कि पिछड़ा वर्ग के क्षेत्र में सामाजिक कार्य करने वाले समाजसेवियों को दिया जाने वाला राज्य का सबसे बड़ा पुरस्कार है, उसे भी प्रदान करने के लिए समाजसेवियों का चयन होना चाहिए। इस गौरवशाली परंपरा को अनवरत रखने की महती आवश्यकता है। सुरेंद्र सांखला ने बताया कि पुरस्कारों को पुन: प्रारंभ करने के संबंध में शीघ्र ही भाजपा के वरिष्ठ नेताओं, प्रदेश के मुख्यमंत्री और पिछड़ा वर्ग मंत्री को ज्ञापन के माध्यम से औपचारिक मांग प्रस्तुत की जाएगी।

सीए डॉ. शर्मा व नागपाल कार्यपरिषद सदस्य नियुक्त

इंदौर। शहर के प्रतिष्ठित चार्टर्ड अकाउंटेंट एवं सामाजिक रूप से सक्रिय व्यक्तित्व, सीए डॉ। अभय शर्मा एवं सीए जय नागपाल को तीन वर्षों के लिए क्रांतिवीर टंट्या भील विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद का सदस्य नियुक्त किया गया है। उनका कार्यकाल 23 मार्च 2026 से 22 मार्च 2029 तक रहेगा।। इस महत्वपूर्ण नियुक्ति को शिक्षा एवं प्रोफेशनल जगत में एक सकारात्मक कदम के रूप में देखा जा रहा हैं। सीए डॉ। अभय शर्मा लंबे समय से चार्टर्ड अकाउंटेंसी क्षेत्र में सक्रिय हैं और इंदौर सीए ब्रांच के पूर्व चेयरमैन (2018-19) रह चुके हैं। वर्तमान में वे हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड में स्वतंत्र निदेशक के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं तथा टैक्स प्रैक्टिशनर्स एसोसिएशन, इंदौर के उपाध्यक्ष पद का दायित्व भी निभा रहे हैं। वे अपने प्रभावी नेतृत्व, नवाचारपूर्ण सोच एवं सामाजिक प्रतिबद्धता के लिए व्यापक रूप से पहचाने जाते हैं।। उनकी नियुक्ति से विश्वविद्यालय की प्रशासनिक कार्यप्रणाली को और अधिक सुदृढ़ होने की उम्मीद जताई जा रही है। इस नियुक्ति पर सीए समुदाय, शिक्षाविदों एवं सामाजिक संगठनों ने हर्ष व्यक्त करते हुए इसे इंदौर के लिए गौरव का विषय बताया है।

यज्ञशाला की परिक्रमा करने पहुंच रहे पीड़ित श्रद्धालु

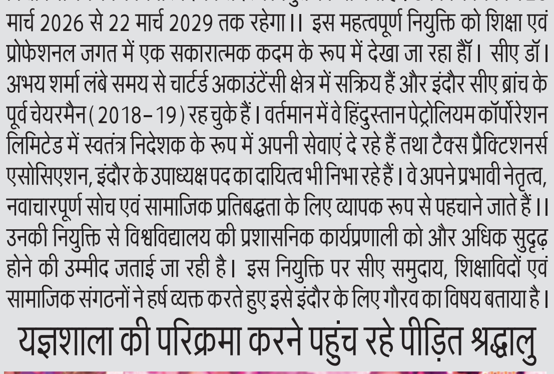

इंदौर। दशहरा मैदान स्थित 'अवध लोक' पर चल रहे श्रीराम जन्मोत्सव में प्रतिदिन भक्तों का सैलाब निरंतर बढ़ता जा रहा है। रात्रि में होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में जाने-माने कलाकारों की प्रस्तुतियां दर्शकों को आल्हादित कर रही हैं। यहाँ चल रहे लक्ष्मीनारायण महायज्ञ की यज्ञशाला में परिक्रमा करने वाले भक्तों की संख्या भी बढ़ रही है। विद्वान आचार्यों के निर्देशन में यहाँ 16 हजार 108 आहुतियों के लक्ष्य के मुकाबले अब तक 9 हजार से अधिक आहुतियां समर्पित की जा चुकी हैं। अनेक दिव्यांग, नेत्रहीन, मूक-बधिर एवं अन्य समस्याओं से ग्रस्त पीड़ित श्रद्धालुओं ने यज्ञशाला की परिक्रमा की। मंदिर में स्थापित राम दरबार की आरती में सांसद शंकर लालवानी सहित अनेक विशिष्ट अतिथि शामिल हुए। रविवार की रात को राम भक्ति पद गायन की मनोहारी प्रस्तुतियों ने हजारों श्रोताओं को मंत्रमुग्ध बनाए रखा। सबके राम लोक कल्याण समिति के संयोजक महेन्द्रसिंह चौहान एवं श्रीमती प्रवीणा अग्निहोत्री ने बताया कि दशहरा मैदान पर निर्मित वृन्दावन के प्रेम मंदिर की प्रतिकृति में राम दरबार के दर्शन-पूजन एवं आरती करने के लिए सांसद शंकर लालवानी, ओमेक्स ग्रुप के चेयरमैन राज मल्होत्रा, कपिल चौधरी, रवि चौधरी, भजन गायक संतोष अग्निहोत्री, अभय मानके भी कार्यक्रम स्थल पहुंचे। अतिथियों ने महाआरती में भाग लिया।

सिंधु मेले में जतिन उदासी के भजनों पर झूमे उज्जैनवासी

- सिंधु जागृत समाज का सबसे विशाल आयोजन
- बर्फ के शिवलिंग और झूलेलाल मंदिर रहा आकर्षण का केंद्र

उज्जैन। सिंधु जागृत समाज उज्जैन द्वारा 22 मार्च को अथर्व होटल में सिटीजन महापर्व के उपलक्ष्य में ऐतिहासिक सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं सिंधु मेले का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में हजारों की संख्या में समाजजन और श्रद्धालु शामिल हुए, जिससे पूरा आयोजन स्थल भक्ति, उल्लास और उत्साह से सराबोर नजर आया। यह आयोजन संस्था के इतिहास में अब तक का सबसे विशाल और सर्वाधिक जनसमूह वाला कार्यक्रम सिद्ध हुआ।

अंतरराष्ट्रीय गायक ने बांधा समां: कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त भजन गायक जतिन उदासी रहे। उन्होंने अपने मधुर भजनों और सिंधी गीतों की शानदार प्रस्तुति से ऐसा समां बांधा कि पूरा पांडाल झूम उठा। युवाओं, बुजुर्गों और मातृशक्ति ने भक्ति रस में डूबकर इस सांस्कृतिक संध्या का भरपूर आनंद लिया। मेले में विशेष आकर्षण के रूप में बर्फ से निर्मित शिवलिंग की मनमोहक झांकी और भगवान झूलेलाल जी के भव्य मंदिर का निर्माण किया गया था, जो पूरे समय श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र बना रहा।

अतिथियों ने की समाज की एकजुटता की सराहना: इस ऐतिहासिक आयोजन के मुख्य सूत्रधार एवं कार्यक्रम संयोजक महेश परयानी रहे। भव्य आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में नगर निगम सभापति कलावती यादव एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा नगर जिला अध्यक्ष संजय अग्रवाल उपस्थित रहे। अतिथियों ने आयोजन की भव्यता की सराहना करते हुए समाज की एकजुटता और सांस्कृतिक समर्पण को बेहद प्रेरणादायी बताया। कार्यक्रम के मंच का सफल संचालन हर्षिता धनवानी ने किया।

आयोजन को सफल बनाने में इनकी रही महत्वपूर्ण भूमिका: कार्यक्रम को भव्य रूप देने में सिंधु जागृत समाज के अध्यक्ष प्रताप रोहरा और सचिव महेश गंगवानी सहित समाज के अनेक गणमान्य सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इनमें प्रमुख रूप से रमेश राजपाल, रमेश समदानी, दौलत खेमचंदानी, मोहन वासवानी, डॉ. जितेंद्र जेठवानी, रमेश गजरानी, वेद प्रकाश आडवाणी और पवन खूबानी शामिल रहे।

मातृशक्ति और सेवादारों का विशेष योगदान

कार्यक्रम की व्यवस्थाओं में मातृशक्ति की ओर से पुष्पा कोटवानी, स्वाति गजरानी, दिव्या बलवानी, रिंकू बेलानी, राजकुमारी खेमचन्दानी, नीलम खत्री, भारती सम्मुखनी, दीपा वासवानी और नेहा मोटवानी का विशेष योगदान रहा। वहीं मुख्य सेवादार के रूप में नरेंद्र सबनानी, जेठानंद जयसिंघानी, महेश चांदवानी और विशाल चंदनानी ने अपनी सेवाएं दीं। कार्यक्रम में विशाल जनसमूह के लिए भोजन प्रसादी की विशेष व्यवस्था इंदिरा नगर पंचायत और सिन्धी भाई बंध पंचायत द्वारा की गई।

उज्जैन के शोधार्थियों ने झांसी में लहराया परचम

उज्जैन। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय हिंदी विज्ञान सम्मेलन 2025-26 में उज्जैन के शोधार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का परचम लहराया। देशभर से आए प्रतिभागियों के बीच उज्जैन की सहभागिता विशेष रूप से सराहनीय रही।

कार्यक्रम का शुभारंभ योग गुरु डॉ. मिलिन्द्र त्रिपाठी के मार्गदर्शन में उज्जैन योग संस्थान की राष्ट्रीय खिलाड़ी अंजलि मोरे द्वारा प्रस्तुत योगमय शिव स्तुति से हुआ, जिसने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। सेमिनार में देशभर से योग विषय पर कुल 54 वैज्ञानिक शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। इनमें उत्कृष्ट वैज्ञानिक शोध पत्र प्रस्तुति के लिए उज्जैन के शोधार्थी संगीता मेहर, अर्पित मीणा, आयुषी तिवारी, अंजलि ओरे एवं जूही गेहलोत को सम्मानित किया गया। यह उपलब्धि उज्जैन के शोध क्षेत्र में बढ़ते प्रभाव और गुणवत्ता को दर्शाती है। उल्लेखनीय है कि सम्मेलन में उज्जैन के योग गुरु डॉ. मिलिन्द्र त्रिपाठी को विषय विशेषज्ञ एवं अतिथि व्याख्याता के रूप में विशेष आमंत्रण प्राप्त हुआ।

इस अवसर पर मंचासीन मुख्य अतिथियों में उत्तर प्रदेश सरकार की राज्य मंत्री (महिला, बाल विकास एवं पुष्टाहार) प्रतिभा शुक्ला, विज्ञान भारती के राष्ट्रीय संगठन मंत्री डॉ. शिव कुमार शर्मा, पूर्व सांसद अनिल शुक्ला, पद्मश्री एचसी वर्मा, प्रबुद्धवानन्द जी सरस्वती, कुलगुरु डॉ. मुकेश पाण्डेय, कुलगुरु प्रमोद कुमार वर्मा सहित डॉ. एसपी गौतम, डॉ. पीसी दुबे, डॉ. जयप्रकाश शुक्ला, सुरेन्द्र मिश्रा, विज्ञान भारती के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री प्रवीण रामदास, डॉ. अनु सिंगला, डॉ. अनुपम व्यास, डॉ. प्रियंका पाठक, डॉ. शुभांगी निगम, डॉ. सुमिरन श्रीवास्तव, रवि कुमार, इंजी. एपीएस गौर, डॉ. कौशल त्रिपाठी, उमेश शुक्ल, डॉ. राघवेंद्र दीक्षित, अतीत विजय, शाश्वत सिंह एवं राम मिश्रा उपस्थित रहे।

संकल्प से समाधान अभियान अंतर्गत शिविर में किया आवेदनों का निराकरण

- आंगनवाड़ी में प्रवेश लेने वाले बच्चों का भी किया सम्मान

घट्टिया। प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत विकासखंड स्तरीय शिविर का आयोजन मंगलवार को ग्राम पंचायत परिसर में किया गया।

शिविर में विभिन्न ग्राम पंचायत एवं ग्रामों से आए ग्रामीण जनों के आवेदनों पर पात्र हितग्राहियों को विभिन्न योजनाएं जैसे पेंशन योजना, संबल योजना, आयुष्मान कार्ड सहित अन्य हितग्राही मुलक योजनाओं का लाभ दिलाने हेतु पारदर्शिता से कार्य करते हुए आवेदनों का त्वरित निराकरण किया गया। शिविर में विकसित भारत जी राम जी योजना का प्रचार प्रसार भी किया गया व आंगनबाड़ियों में प्रवेश लेने वाले बच्चों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। शिविर में नोडल अधिकारी एसडीएम राजाराम करजरे, जनपद पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी जीएस मुझालदा, जिला समन्वयक कविता उपाध्याय, अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी रितेश कुमार सोनी, ग्राम पंचायत घट्टिया सरपंच यशवंत मालवीय, खण्ड स्तरीय अधिकारी, कर्मचारी, उपयंत्री, एडीईओ, पीसीओ, सचिव, ग्राम रोजगार सहायक व बड़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित थे।

एक नजर | आनंद बरहा बने मैन ऑफ द मैच, राहुल आठिया के शानदार कैच ने पलटा मैच का रुख

श्री चिड़ार समाज क्रिकेट प्रतियोगिता में टीम आनंद बनी विजेता

उज्जैन। श्री चिड़ार समाज द्वारा आयोजित 10-10 ओवर की क्रिकेट प्रतियोगिता के रोमांचक मुकाबले में टीम आनंद ने शानदार जीत दर्ज की। फाइनल मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए टीम आनंद ने निर्धारित ओवरों में 74 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी टीम प्रेम कड़े संघर्ष के बावजूद 61 रनों पर ही सिमट गई।

आनंद बरहा की कप्तानी पारी

प्रतियोगिता संयोजक सन्नी गोइया ने बताया कि पहले मैच में बल्लेबाजी करने उतरी आनंद बरहा की टीम ने कप्तान की शानदार पारी की बदौलत मजबूत स्कोर खड़ा किया। आनंद बरहा ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए 36 रन बनाए, जिसके लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच के खिताब से नवाजा गया। हालांकि, फाईनल मुकाबले में नारायण आठिया ने एक बेहद मुश्किल कैच लपककर आनंद की पारी का अंत किया। इस शानदार कैच को पकड़ने के प्रयास में नारायण के पैरों में चोट भी आई।

संघर्षपूर्ण रही शुरूआत : लक्ष्य का पीछा करने उतरी प्रेमनारायण बरहा की टीम की शुरुआत संघर्षपूर्ण रही। मैच के दौरान रनों की बौछार कर रहे खतरनाक बल्लेबाज देव कुमार को राहुल आठिया ने एक बेहतरीन कैच लपककर पवेलियन का रास्ता दिखाया। राहुल के इस शानदार कैच ने मैच का रुख पूरी तरह से विजेता टीम की ओर मोड़ दिया। गेंदबाजी में शैलेन्द्र हनुमंतैया ने अपनी घातक गेंदों से प्रभाव छोड़ते हुए सर्वाधिक विकेट चटकाए।

धमाकेदार पारी के बावजूद नहीं मिली जीत: प्रेमनारायण बरहा की टीम की ओर से कान्हा गहलोत ने सर्वाधिक रनों का योगदान दिया। इसके अलावा देव, मोहन चंदेल ने मैच को पकड़ कर रखा। शैलेन्द्र हनुमंतैया, दीपक गहलोत और रवि आठिया के साथ ही कप्तान प्रेमनारायण बरहा ने भी अपने बल्ले का कमाल दिखाया। टीम में पवन गहलोत, नारायण आठिया और उदय आठिया भी शामिल थे। मोहन चंदेल, कान्हा गहलोत और देव ने शानदार खेल दिखाया, लेकिन वे अपनी टीम को जीत की दहलीज पार नहीं करा सके और टीम कुल 61 रन ही बना सकी।

विजेता टीम के खिलाड़ी

आनंद बरहा के नेतृत्व वाली विजेता टीम में दीपक गोईया, सचिन मगरे, कृष्णकुमार चंदेल, संदीप हनुमंतैया, अनिल आठिया, राहुल आठिया, कमलेश धंधेरे, चंदन चंदेल, हरिकिशन चंदेल, राघव आठिया और ऋतिक आठिया ने शानदार खेल भावना का परिचय देते हुए जीत में अहम भूमिका निभाई। क्रिकेट प्रतियोगिता में विजयी रही टीम को समाज संरक्षक रहे स्व. रामेश्वर गोइया की स्मृति में नगद पुरस्कार भेंट कर समाज संरक्षक पुरषोत्तम मगरे, पूर्व अध्यक्ष भगवानदास ब्राह्मनिया, प्रभुसिंह चित्तौड़िया, समाज के वरिष्ठ हरिशचंद्र आठिया, प्रदीप गोईया, शिवदयाल बेलिया, द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में समस्त समाजजनों का आभार मूलचंद सोनी ने माना।